प्रात: क्लास ओमशान्ति 12-8-67

आत्मिक रिकार्ड:- कौन आया :- ओमशान्ति। मीठे2 बच्चों ने गीत सुना। कौन आया है और कौन पढ़ाता है। यह अकल की बात है। कोई बहुत अक्ल मन्द होते हैं, कोई कम अक्ल मन्द होते हैं। जो बहुत पढ़ा लिखा हुआ होगा वह बहुत अक्ल मन्द होगें। शास्त्र आद भी जो बहुत पढ़े हुए होते हैं उनका ज्ञान जास्ती होता है। कम पढ़े हुये को कम ज्ञान मिलता है। अब अक्षर सुना कौन आया पढ़ाने। टिचर आते हैं ना स्कूल में। पढ़ने वाले जानते हैं टिचर आया। यहाँ कौन आया है। एकदम रोमांच खड़ी हो जानी चाहिए। ऊंच ते ऊंच बाप। बाप फिर पढ़ाने आये हैं। समझने की बात है ना। तकदीर की भी बात है। पढ़ाने वाला कौन है? भगवान। वह आकर पढ़ाते हैं। विवेक कहता है, भल कितनी भी बड़ी ते बड़ी पढ़ाई पढ़ता हो फट से वह पढ़ाई छोड़ कर आये भगवान से पढ़ें। एक सेकन्ड में सब कुछ छोड़ बाप से पढ़ने आ जाये। नर्क वासी तो सब हैं। बाप ने समझाया है अभी तुम पुरुषोत्तम संगम युगी बने हो। उत्तम से उत्तम पुरुष हैं यह लक्ष्मी नारायण। दुनिया में यह किसको भी पता नहीं है। कि एडुकेशन से इन्हो ने यह पद पाया है। तुम पढ़ते हो यह पद पाने लिए। कौन पढ़ाते हैं? भगवान। तो और सब पढ़ाईयाँ छोड़ इस पढ़ाई में लग जाना चाहिए। क्यों कि यह बाप आते ही हैं कल्प के बाद। बाप कहते हैं मैं हर 5000 वर्ष बाद आता हूँ। समझ पढ़ाने। वन्डर है ना। कहते भी हैं भगवान हमको पढ़ाते हैं यह पद पाने। फिर भी पढ़ते नहीं तो बाप कहेंगे ना यह सयाना नहीं है। बाप के पढ़ाई पी पूरा ध्यान नहीं देते हैं। बाप को भूल जाते हैं। यह है माया के तूफान। परन्तु पढ़ाई तो पढ़ना चाहिए ना। विवेक कहते हैं भगवान पढ़ाते हैं, तो उस पढ़ाई में एकदम लग जाना चाहिए। छोटे बच्चों का ही पढ़ना होता है। आत्मा तो सब की है। बाकि शरीर छोटा अथवा बड़ा होता है। आत्मा कहती है मैं बाप का छोटा बच्चा बना हूँ। बच्चे बने हो तो पढ़ो। दूध पियाक तो नहीं हो। पढ़ाई फर्स्ट। उसमें बहुत अटेन्शन देना है। स्टुडेन्ट आते हैं यहाँ सुप्रीम टिचर पास। वह पढ़ाने वाले भी मुकरर हैं फिर भी सुप्रीम टिचर तो है ना। 7 रोज भठी भी गाई हुई है [बाप कहते हैं पवित्र रह और मुझे याद किया, दैवी गुण धारण किया तो तुम यह बन जावेंगे। बेहद के बाप को याद करना पड़े ना] छोटे बच्चे को मां-बाप के सिवाय दूसरा कोई लेता है तो उनके पास जाते ही नहीं हैं। तुम भी बेहद के बाप के बने हो तो और कोई को देखने पसन्द भी नहीं आवेगा। फिर भल कोई भी हो। तुम जानते हो हम ऊंच ते ऊंच बाप के हैं [वह हमको डबल सिरताज राजाओं का राजा बनाते हैं। लाईट का ताज भुनसलामत। और रत्न जड़ित ताज भय्याजी भव] उन कालेजों की तो एकदम छू छुटी कर देना चाहिए। निश्चय हुआ बाप पढ़ाते हैं तो वह कालेज पढ़ना एकदम भूल जाना चाहिए। निश्चय हो जाता है हम इस पढ़ाई से विश्व का मालिक बनते हैं। 5000 वर्ष बाद हिस्ट्री रिपीट होती है। तुमको राजाई मिलती है बाकि सब आत्मायें शान्ति धाम अपने घर चले जावेंगे? अभी तुम बच्चों को मालूम हुआ है असल में हम आत्मायें अपने बाप के साथ घर में रहती हैं। यह भी तुम ही जानते हो। दुनिया के मनुष्य तो बिलकुल जंगली जनावर हैं। भल साधु सन्त आद हैं उनको भी गुरु नहीं कहेंगे। सर्व का सदगति दाता एक है। शंकराचार्य गुरु के कितने फलोअर्स हैं। कितना भभका है। और तुम क्या कहते हो। यह तो पुजारी हैं। बाप को ही नहीं जानते। यह तो आरफन्स हैं। तुम भी आरफन थे। बाप का बनने से अभी हम स्वर्ग के मालिक बनते हैं। फिर बाप को भूल आरफन्स बन पड़ते हैं। भारत इस समय आरफन है। आरफन उनको कहा जाता है जिनका माँ बाप नहीं होते हैं। धक्का खाते रहते हैं। तुमको तो अब बाप मिला है। खुशी में गद2 होना चाहिए। हम बेहद के बाप के बच्चे हैं। परम पिता परमात्मा प्रजा पिता ब्रह्मा द्वारा नई सृष्टि ब्राह्मणों की रचते हैं। यह तो बहुत सहज समझने की बात है। तुम्हारे चित्र भी हैं। विराट रूप का चित्र भी बनाया है ना। 84 जन्मों के लिए ही दिखाया है। हम सो देवता फिर क्षत्री वैश्य शूद्र बनते हैं। यह कोई भी मनुष्य जानते हैं नहीं हैं। क्योंकि ब्राह्मण और ब्राह्मणियों को पढ़ाने वाले बाप का दोनों का नाम निशान गुम कर दिया है

अंग्रेजी में भी तुम लोग अच्छी रीत समझाये सकते हो। जो अंग्रेजी जानते है तो ट्रान्सलेट कर फिर समझाना चाहिए। फादर नालेज फुल है। उनको ही यह नालेज है कि सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है। वह पढ़ाते है। योग को भी बाप की याद कहे जाते है। जिसको अंग्रेजी कम्युनीन कहा जाता है। बाप से कम्युनीन। टिचर से कम्युनीन, गुरू से कम्युनीन। यह है गाड फादर से कम्युनीन। खुद बाप कहते है मुझे याद करो। और कोई भी देहधारी को याद न करो। मनुष्य गुरू आद करते है, शास्त्र पढ़ते है एमआबजेक्ट कुछ भी नहीं। सदगति तो होती है नहीं। बाप तो कहते है हम आये है सबको वापस ले जाने। अभी तुमको बाप के साथ बुधि का योग रखना है। तो तुम वहाँ जाये पहुंचेंगे। अच्छी रीत याद करने से विश्व का मालिक बनेंगे। यह लक्ष्मी नारायण प्राडाईज़ के मालिक थे ना। इनको गाड-गाडेस कहते है। सीढ़ी में भी इन्हो का चित्र है। तो मनुष्य वन्डर खावेंगे। यह कौन समझाने वाला है। बाप को कहा जाता है नालेज फुल। मनुष्य फिर कह देते है अन्तर्यामी। वास्तव में अन्तर्यामी का अक्षर है नहीं। अन्दर रहने वाला तो आत्मा है। आत्मा जो काम करती है वह तो सब जानते है। सभी मनुष्य अन्तर्यामी है। आत्मा जानती है मैं पढ़ती हूं। मैं यह करती हूं। मैं यह पार्ट बजाता हूं। यूं तो हरेक आत्मा अन्तर्यामी है। आत्मा ही सिखती है। बाप ही तुम बच्चों को आत्माभिमानी बनाते है। तुम आत्मा मूल वतन के रहने वाले हो। तुम आत्मा कितनी छोटी हो, तुम्हारे में अविनाशी पार्ट भरा हुआ है। अनेक बार तुम आये हो पार्ट बजाने। यह बैठ समझाते है आत्मा क्या है। परमात्मा क्या है। यह कोई भी नहीं जानते। बाप भी है आत्मा परन्तु सुप्रीम है। गाया भी जाता है चमकता है अजब सितारा। आत्मा बहुत सूक्ष्म है ना। उनको इन आँखों से नहीं देख सकते। आत्मा में ही सभी नालेज है। तुम किसको भी सुनावेंगे तो कहेंगे यह तो कोई बात परमात्मा सुप्रीम सोल है। ऐसे नहीं कि इतना बड़ा (ज्योतिर्लिंगम) है। यह तो भक्ति के लिए इतना बड़ा बनाते है। बिन्दी की तो पूजा हो नहीं सकती। पूजा तो रावण राज्य में है ना। गिरे हुए ठहरे ना। बाप कहते है मैं बिन्दी हूं। मेरी पूजा तुम कर नहीं सकते। क्यों करेंगे। दरकार ही नहीं। मैं तुम आत्माओं को पढ़ाने आता हूं। तुमको ही राजाई देता हूं। फिर रावण राज्य में चले जाते हो तो भूल जाते हो। पहले2 आत्मा आती है पार्ट बजाने। मनुष्य कहते है 84 लाख जन्म लेते है। परन्तु बाप कहते है मैक्सीमम है ही 84 जन्म। मिनिमम एक जन्म। ऐसे 2 जब बातें तुम से सुनेंगे तो कहेंगे यह तो वन्डर है ना। मार्थु जब विदेश में जाये यह बातें सुनावेंगे तो इनको कहेंगे यह नालेज तो हमको यहाँ बैठ सुनाओ। तुमको वहाँ 1800 पे मिलती है, हम आप को 10-20 हजार देंगे। हमको यह नालेज सुनाओ। गाड फादर हम आत्माओं को पढ़ाते है। आत्मा ही जज बेरिस्टर आद बनती है। बाकि मनुष्य तो सब है देहाभिमानी। कोई को भी ज्ञान नहीं है। भल बड़े2 फिलासफर्स बहुत है परन्तु यह नालेज किसको भी नहीं है। गाड फादर निराकार पढ़ाने आते है। हम उन से पढ़ते है। यह बातें सुन कर चकित हो जावेंगे। यह बातें तो कब सुनी पढ़ी नहीं। सन्यासि लोग तो सिर्फ जाये कहते है भारत का प्राचीन योग सिखो। जानते कुछ भी नहीं। तुम कहेंगे शास्त्र आद सब वर्थ नाट अ पेनी है। एक बाप को ही कहते हो लिबरेटर, गाईड। जब कि वह ही लिबरेटर है तो फिर क्राईस्ट को क्यों याद करते हो। यह बातें तुम अच्छी रीत समझाओ तो वह लोग चकित हो जावेंगे। कहेंगे यह हमने सुने तो सही। प्राडाईज़ की स्थापना हो रही है। इसके लिए यह महा भारत लड़ाई भी है। बाप कहते है मैं तुमको राजाओं का राजा डबल सिरताज बनाता हूं। प्युरिटी पीस, प्रासपर्टी सब थी ना। विचार करो कितने वर्ष हुये। क्राईस्ट से 3000 हजार वर्ष पहले इन्हो का राज्य था। कहेंगे यह तो बोवर स्प्रिच्युल नालेज है। यह तो डायरेक्ट उस सुप्रीम फादर का क्रेअ किया है। उनसे राज योग सिख रहा है। वर्ल्ड की हिस्ट्री जागराफी कैसे रिपीट होती है यह सारी नालेज है। हमारी आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है। इस योग बल की ताकत से आत्मा सतोप्रधान बन गोल्डेन एज में चली जावेंगी। फिर उनके लिए राज्य चाहिए। सो सामने खड़ा

है। पुरानी दुनिया का विनाश भी चाहिए। सो सामने खड़ा है। फिर है धर्म का राज्य होगा। यह पतित दुनिया की दुनिया है ना। अभी तुम पावन बन रहे हो। बोलो हम इस याद की बल से प्युअर बनते हैं। और सभी का विनाश हो जावेंगे। नेचरल कैलेमिटिज़ भी आनी हैं। हमारा रियलाईज़ किया हुआ है। और दिव्य दृष्टि से देखा हुआ है। यह सब खलास होना है। बाप आये है डिटी वर्ल्ड स्थापन करने। अभी जो सेन्सीबुल बच्चे हैं वह समझते हैं सन्यासि लोग जाकर क्या सिखाते हैं। कितना एडलट्रेशन करप्शन है। वह तो योग जाकर सिखाते हैं ब्रह्म से। कितनी पैसे उन्हो को मिलती है। तुम बोलो पैसे हम क्या करेंगे। विनाश तो सामने खड़ा है। कहेंगे वो हो यह तो गाड फादर के चिल्ड्रेन्स हैं। तुम बच्चे यह जानते हो लड़ाई तो लगेगी। नेचरल कलैमिटिज़ होगी, क्या हाल होगा। यह बड़े2 मकान आद सब गिरने लग पड़ेंगे। तुम जानते हो यह बम्स आद 5000 हजार वर्ष पहले भी बनाई थी। अपने ही विनाश के लिए। अभी भी बाम्स तैयार हैं। इन से ही विनाश होना है। कहेंगे यह तो बड़ी अथार्टी है। तो नाम वाला करेंगे ना। यह है साइंस की बाम्स। योग बल क्या चीज है जिससे तुम विश्व पर जीत पाते हो। और कोईथोड़े ही जानते। बोलो साइन्स तुम्हारा ही विनाश करते हैं। हमारा बाप के साथ योग है तो इस सायलेन्स के बल से हम विश्व पर जीत पहन सतोप्रधान बन जाते हैं। बाप ही पतित पावन हैं। पावन दुनिया जो जरूर स्थापन कर ही छोड़ेंगे। ड्रामा अनुसार नुंध है। बाम्स जो बनाई है, रख देंगे क्या। ऐसे 2 समझावेंगे तो समझेंगे यह तो कोईअथार्टी है। इनमें तो गाड ने आये प्रवेश किया है। यह भी ड्रामा में नुंध है। कब2 बच्चों में भी बाप आये प्रवेश करते हैं। तो ऐसी2 बातें बताती रहेंगे तो वह समझेंगे। आत्मा में कैसे पार्ट है। यह भी अनादी बना बनाया ड्रामा है। तुम्हारा क्राइस्ट भी पुनर्जन्म लेते2 अभी वह तमोप्रधान अवस्था में है। फिर अपने समय पर क्राइस्ट बन कर आये तुम्हारा धर्म स्थापन करेंगे। ऐसे अथार्टी से बोलेंगे तो वह समझेंगे। बाप सब बच्चों को बैठ समझाते है। इस पढ़ाई में बच्चो लग जाना चाहिए। बाप टिचर गुरू तीनों एक ही हैं। वह कैसे नालेज देते है वह तुम समझते हो। सबको पवित्र बनाये ले जाते हैं। डिटी डैनायस्टी थी, तो प्योर थी। गाड-गाडेस थे। बात करने का बड़ा होशियार हो। स्पीड भी अच्छी हो। बोलो बाकि सब आत्मायें स्वीट होम में रहती है। बाप ही ले जाते हैं। सर्व का सदगति दाता वह बाप हैं। उनका बर्थप्लेश है भारत। यह कितना बड़ा तीर्थ हो गया। परन्तु गीता में नाम बदलने से बिलकुल ही नीचे उतर आये हैं। तमोप्रधान बनना ही है। पुनर्जन्म सबको लेना ही है। वापस कोई भी जाये नहीं सकते (एडम ही 84 जन्म लेते हैं। तो जरूर क्राइस्ट भी पुनर्जन्म लेते2 फिर जाकर वह बनेंगे। ऐसी2 बाते समझाने से बहुत वन्डर खावेंगे। बाबा तो कहते है जोड़ी हो बहुत अच्छा समझाये सकते है। भारत में पहले प्युरिटी थी। कैसे होती है यह भी बताये सकते हो। पूज्य से पुजारी बन जाते है। इमप्युअर बनने से अपने ही पूजा करने लग पड़ते है। राजाओं के घर में भी इन देवताओं के चित्र रहते हैं। जो पवित्र डबल सिरताज थे, उन्हो को बिगर ताज वाले अपवित्र पूजते है। वह हो गये पुजारी राजाएं। उन को तो गाड गाडेस नही कहेंगे। क्यों कि वह इन देवताओं की पूजा करते हैं। आपे ही पूज्य ..पुजारी फिर पतित बन जाते हैं। शैतानी राज्य शुरू हो जाता है ऐसे 2 बैठ समझावे तो कितना मजा कर दिखावे। गाड़ी के दोनो मिले हो वन्डर कर दिखावें। हम युगल ही फिर सो पूज्य बनेंगे। हम प्युरिटी, पीस प्रास्पर्टी का वर्सा ले रहे हैं। तुम्हारे चित्र तो निकलते ही रहते हैं। बाबा तो जल्दी 2 कराते रहते है। परन्तु बनाने वाले भी चाहिए ना। हर बात में टाईम लगता है। यह है ईश्वरीय परिवार।

बाप के बच्चे हैं, पात्रे और पात्रियाँ है। बस। और कोईसम्बन्ध नहीं: नई सृष्टि इनको के जाते है। फिर देवी देवताएं तो थोड़े होंगे। फिर धीरे2 वृधि होती है। यह नालेज कितनो समझने की है। यह बाबा भी छोटे आद मैं था। जैसे नवाब था। कोई बात की परवाह नहीं रहती थी। ऐसी कोई की ताकत नहीं जो ज्वाहर का व्यापार कर दिखावे। जब देखा बाबा तो यह पढाते हैं। विनाश सामने खड़ा है तो पट से छोड़ दिया। यह जरूर समझा हम बादशाह बनते हैं। फिर यह गधाई क्या करेंगे। तो तुम भी समझते हो भगवान पढ़ाते हैं तो पूरी रीत पढ़ना चाहिए। उनके मत पर चलना चाहिए। बाप कहते है अपन को आत्मा समझ। मुझे याद करो। अ